



# बिहार को चाहिए एक मजबूत इंजन, न कि 'डबल इंजन' का दिखावा : खड़गे

खड़गे ने वक्फ (संशोधन) कानून को लेकर भी बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मलिलाकुर्जुन खड़गे ने बिहार में एनडीए स्ट्रक्चर पर तीखा हमला बोला। उहोंने बताया कि जयंत को दो चेहरों वाले डबल इंजन की नहीं, बल्कि एक सशक्त और रिश्वर इंजन की जरूरत है। जो महागठबंधन से मिल सकता है। उहोंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच के गठबंधन को अवसरवाद की मिसाल बताया और दावा किया कि यह गठजोड़ बिहार के भविष्य के लिए नुकसानदेह है।

खड़गे ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर भी बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा। उनका आरोप था कि इस कानून के जरिए देश में धार्मिक



समुदायों के बीच फूट डाली जा करते हुए उहोंने कहा, वो रही है। नीतीश कुमार पर तंज हमेशा इधर-उधर की राजनीति

करते हैं, जिससे राज्य का नुकसान होता है। उहोंने लोगों से अपील की कि बिहार के विकास, शिक्षा और रोजगार को आगे ले जाने के लिए बीजेपी और नीतीश कुमार दोनों को सत्ता से बाहर करें। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला तेज करते हुए खड़गे ने एक अंडियों विलप सुनायी, जिसमें विशेष पैकेज देने का वादा किया गया था। उहोंने कहा, प्रधानमंत्री ने बिहार को 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज का भारतीय दिलाया था, लेकिन आज कहत कुछ भी जीमी पर नहीं दिखा। उहोंने यह भी कहा कि कांग्रेस को दबाने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन पार्टी किसी दबाव में छुकने वाली नहीं है।

खड़गे ने महागठबंधन की सरकार को बिहार के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि यह समस्याएँ बढ़ावा और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक जुट होने का है। उहोंने कहा, भाजपा झूट की बुनियाद पर सत्ता में आयी है, लेकिन अब जनता को सच्चाई समझ में आ रही है। न बोरेजारी का हल निकला, न शिक्षा में सुधार हुआ।

उहोंने आगे जोड़ा, देश को आइआईटी, आइआईएम और एस्स में विशेष देने दिये, और भाजपा ने? सिर्फ़ झूट की फैक्ट्री खड़गे की है। अंत में खड़गे ने कहा, एक बाबू से लोगों को बाबूकाया जा सकता है, लेकिन हमेशा नहीं। अब बिहार की जनता सच्चाई के साथ खड़गे होगी।

## देवघर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हुंगामे के बीच विधायक और मंत्री हफीजुल पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के साथ हेंड्राइड करने का मामला सामने आया है। घटना देवघर यथा क्षेत्र के बरियारुपुर गांव में घटी। जहां असामाजिक तत्वों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के कई हिस्सों को शत्रियस्त कर दिया।

प्रतिमा के शत्रियस्त होने की सूचना पर स्थानीय लोग अक्रोशित हो गये देखियों पर सख्त कार्रवाई की मांग पुलिस और प्रशासन से की।

**फिर से बनायी जायेगी बाबा साहब की प्रतिमा:**

**सुरेश पासवान**

प्रतिमा खंडित होने पर अक्रोशित लोगों को समझाने के लिए देवघर से रास्तीय जनता दल के विधायक सुरेश पासवान भी लोगों के बीच पहुंचे। उहोंने लोगों को अप्रियों की गिरफ्तारी की मांग की।

घटना पर पहुंचे मंत्री हफीजुल हसन : घटना की जानकारी जैसे ही



बनाया जायेगा और असामास की जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की एक छोटी प्रतिमा बनायी गयी थी। जिसके बाद में भव्य रूप देने की बात कही गयी थी। लेकिन उससे पहले ही कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा को शत्रियस्त कर दिया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने काफी देर तक हंगामा किया। लोगों ने पुलिस से अप्रियों की गिरफ्तारी की मांग की।

घटना पर पहुंचे मंत्री हफीजुल हसन : घटना की जानकारी जैसे ही

अप्रियों को अप्रियों की गि�रफ्तारी की मांग है। जयराम महतो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उहोंने संजय सेठ को कहा है कि रविवार को राजधानी रांची में

पहुंचना चाहिए।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को मिलायी गयी थी। उहोंने लोगों से मिलायी गयी थी। मंत्री ने स्थानीय लोगों से मिले। मंत्री ने खानाकात के साथ पूरी घटनी की जानकारी ली। प्रतिमा खंडित करने के मामले पर उहोंने डीसी और एसपी को कड़ी कार्रवाई करने के लिए पहले ही कहा है कि जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है। उसे कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलायी जाए। ताकि अनेक लोगों के समय में कोई भी व्यक्ति इस तरह के महान व्यक्तित्व की प्रतिमा को नुकसान नहीं पहुंचा सके।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को मिलाया और असामास की जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की एक छोटी प्रतिमा बनायी गयी थी। जिसके बाद में भव्य रूप देने की बात कही गयी थी। लेकिन उससे पहले ही कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा को शत्रियस्त कर दिया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने काफी देर तक हंगामा किया। लोगों ने पुलिस से अप्रियों की गिरफ्तारी की मांग की।

घटना पर पहुंचे मंत्री हफीजुल हसन : घटना की जानकारी जैसे ही

अप्रियों को अप्रियों की गि�रफ्तारी की मांग है। जयराम महतो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उहोंने संजय सेठ को कहा है कि रविवार को राजधानी रांची में

पहुंचना चाहिए।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।

मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को अप्रियों को लेकर जीमी को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जायेगा।</p







# संपादकीय

## हुनर की रोशनी

कुछ कहानियां सिर्फ कहानियां नहीं, बल्कि बदलाव की एक चिंगारी होती है, जो सच और व्यवस्था दोनों को ज़क़ज़ार देती है। ऐसी ही एक कहानी राजस्थान के भरतपुर ज़ेल की कैदी कमला की है। कम पढ़ी-लिखी कमला को ज़ेल में जब ब्लॉक-वैलनेस की ट्रेनिंग मिली तो न सिर्फ उसने आत्मसमान की नवी परिवासगती, बल्कि ज़ेल में रखते हुए स्टोर्ड सेवाओं में दक्षता भी हासिल की। आज वह न केवल अन्य महिला कैदियों को ट्रेनिंग दे रही है, बल्कि ज़ेल में ब्लूटी पार्लर सेवा की एक नवी पहल की मिसाल भी बनी है। तामनाड़ु के ज़ेल विभाग के डीजीपी महेश्वर दायल ने जून, 2024 में चेन्वई की महिला ज़ेल में कबाड़ी से भरे एक स्टोर को सुसाइज़ ब्लूटीशियन ट्रेनिंग सेंटर एवं पार्लर में बदलने की निष्पत्ति लिया। कहने को पहले से ही ही स्टोर में एक कंधी, पुराणा ट्रिम और पानी का स्टेक रखा था, लेकिन आज वही स्टोर एक सैलून जैसी तात्म सुविधाओं से सुसाइज़ है। जहाँ पहिला कैदियों को ये सेवाएं मुफ्त मिलती हैं। दायल ने इस पहल की शुरुआत उस दिन की जब एक 34 वर्षीय महिला कैदी ने उनसे शिक्षण की कि वह अपने बाल रंगाना चाहती है, लेकिन ऐसा न हो पाने की वजह से वह 60 की दिखती है। पहले जब डीजीपी दायल ज़ेल का निरीक्षण करते तो महिलाएं अपनी नाराज़ी थाली बजा कर जाती थीं। अब वही महिलाएं आत्मविश्वास से भरी व सज़ी-संवरी नज़र आती हैं, मानो ब्लूटी पार्लर से निकलकर आयी हीं। इस पहल ने उनमें आत्मनिर्भरता का संबंध किया। हुनर सीख कर ज़ेल से बाहर मिलने के बाद कई महिला कैदी ब्लूटीशियन का काम करके 5000 से 7000 रुपये महिला ज़ेल का बाल रंगाना चाहती है। बल्कि उनके व्यवहार एवं मानसिक स्वास्थ्य पर मी सकारात्मक असर डाला है।

हुनर सीख कर ज़ेल से बाहर निकलने के बाद कई महिला कैदी ब्लूटीशियन का काम करके 5000 से 7000 रुपये महिला तक कम होती है। इस बदलाव ने न छेड़ उनके आत्मविश्वास को जगाया है, बल्कि उनके व्यवहार एवं मानसिक स्वास्थ्य पर मी सकारात्मक असर डाला है।

बदलाव ने न केवल उनके आत्मविश्वास को जगाया है, बल्कि उनके व्यवहार एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर डाला है। ये घटनाएं एक ऐसी बड़ी तस्वीर की ओर इशारा करती हैं कि जहाँ ज़ेल को सज़ा भर नहीं, बल्कि सुधार व सशक्तिकरण का केंद्र बनाया जा सकता है। भारत की ज़ेलों में लगभग 23,000 से अधिक महिला कैदी हैं यानी जिनका अपराध अभी साक्षित नहीं हुआ है। अधिकरत महिलाएं सामाजिक एवं अधिक रूप से पिछड़े परिवारों से आती हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ल्यूरो (एप्सीआरबी) के 2023 के अंकों के अनुसार, महिला कैदियों की संख्या में हर साल बढ़ती हो रही है। इनमें से अधिकांश महिलाएं घोल, हिंसा, दहेज या आत्मरक्ष की परिस्थितियों में अपराध को दोषी ठहरायी जाती हैं, लेकिन ज़ेलों में उनके लिए न तो पार्श्व सुविधाएं हैं, न ही युनर्वास के लिए स्पष्ट नीतियां। शिक्षा का अभाव, परिवार से दूर संबंध और अधिकारी आश्रय न होने के हालात उन्हें ज़ेल से बाहर आने के बाद दोबारा अपराध की ओर धेकें सकते हैं, ऐसे में उन्हें हुनर के जरिए आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर मिल सकता है।

### अभिमत आजाद सिपाही

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।



आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मारु वदना योजना (पीएमवाइ) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरुआत से ही पीएमवाइ योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है जिससे हाशिया के लिए एक वायरल वित्तीय देखा बन गयी है और इससे जीवनयापन को महत्व और अधिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इस धमाका क













जम्मू-कश्मीर में बाढ़ फटने तीन लोगों की हुई मौत, 100 का रेख्यू



श्रीनगर (आजाद सिपाही)

जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किशनवाड़-पहर मार्ग से बारिश हो रही है। रामबन जिले के बारिश के बाद बाढ़ के में रविवार आवाजाही रोक दी गयी है।

अधिकारियों ने मौसम साफ़ होने से 3 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस कार्रवाई के बाद बाढ़ फटने से रेस्क्यू

किया। सूत्रों ने बताया कि बाढ़ फटने से अचानक बाढ़ आ गयी।

पहाड़ का मलबा गाव की तरफ

आ गया, जिसके चौपट में कई

पहाड़ का मलबा सड़कों और

रिहायशी इलाकों में तरह

हो गया। एक बीड़ियों में तीन-चार टैंक

लैंडस्लाइड हुई हैं। इसकी वजह

इसके अलावा होटल और घर भी

से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद

मलबे से प्रभावित दिख रहे हैं।

उधर, रामबन जिले के

बनिहाल इलाके में कई जगह

पूरी तरह दबी हुई दिख रही है।

इसके अलावा होटल और घर भी

से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद

## अमेरिकी उपराष्ट्रपति आज भारत आयेंगे

• दिल्ली में अक्षयधाम मंदिर के दर्शन करेंगे, पीम नाटी से निलंगे, जयपुर-आगरा घूमेंगे

आजाद सिपाही संचादाता

नयी दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेस 21 अप्रैल को भारत के चार दिन के दौरे पर आ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेस तथा तीनों बच्चों भी इस द्विप्रयात्रे पर आयेंगे। वे इटली का दौरा कर भारत आ रहे हैं।

अधिकारियों ने मौसम साफ़ होने से 3 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस

किया। इलाके में रेस्क्यू

किया।

अधिकारियों को बाढ़ आयी है।

लैंडस्लाइड के

कारण से अचानक बाढ़ आ गयी।

पहाड़ का मलबा गाव की तरफ

आ गया, जिसके चौपट में कई

पहाड़ का मलबा सड़कों और

रिहायशी इलाकों में तरह

हो गया। एक बीड़ियों में तीन-चार टैंक

लैंडस्लाइड हुई हैं।

इसके अलावा होटल और घर भी

से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद



पीम सोदी जे डी वेस के नियमित दिल्ली नाटी अवाजाही रोक दी गयी है। उषा वेस सोमवार रात को ही जयपुर रवाना होंगी, जहां वे मंगलवार का रुकेंगे। बुधवार को वे आगरा घूमने जायेंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद वे जे डी वेस का पहला अधिकारिक भारत आयेंगे।

इस दौरे पर जे डी वेस पीएम मोटी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पृष्ठ-एस अजित डोंगरे, विदेश सचिव विक्रम मिश्री और अमेरिका में भारतीय दूत विद्य मोहन कवाचा से मुलाकात करेंगे।

वेस का भारत दौरा अहम

जे डी वेस का भारत दौरा दो बजहों से अहम है। इस वक्त भारत और

अमेरिका के बीच ट्रेड डील,

टैरिफ़ को लेकर तनाव की स्थिति

है। प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति वेस के बीच व्यापार, टैरिफ़, क्षेत्रीय सुरक्षा और बाइलेटल कोऑपरेशन को बढ़ाने के तरीकों सहित इह अहम मुद्दों पर बातचीत होगी।

द्विप्रयात्री व्यापार समझौता : यह दौरा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। दोनों देश 2030 तक द्विप्रयात्री व्यापार को 500 अबर डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं। वेस और मोटी के बीच व्यापार, आयात शुल्क और गैर-ट्रैटरिफ़ बाधाओं को गाड़ी गाव पहुंच कर एक शादी समारोह में शामिल हुए और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। शादी समारोह के बाद भाजपा जनकारी और कुछ लोगों की समस्या का मार्के पर ही निदान किया और कुछ का जल्द निदान करने का आशासन दिया। इस मार्के पर नकुल राय, दमोदर राय, शिवानारायण राय, पवन सिंह, अनिल राय, वासुदेव राय, विनय पांडेय, अलिप्पांडेय, यश प्रकाश पांडेय, गंगाधर पांडेय, दिलीप तुरी, अकबर साईं और पवन राय आदि मौजूद थे।

राजधानी गिरिडीह (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व राजधानी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने रविवार को धनवार प्रखंड क्षेत्र के गाड़ी गाव पहुंच कर एक शादी समारोह में शामिल हुए और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। शादी उठाने की बात कही गई।

टैरिफ़ विवाद :

यह वात्रा ट्रैप

प्रशासन की टैरिफ़ नीति के कारण बढ़े। ट्रैप

ने 2 अप्रैल, 2025 को भारत पर

26% टैरिफ़ की घोषणा की थी,

जिसे वात्रा में 40 दिनों में लिए

स्थानीय कर दिया गया। वेस की

यात्रा से इस मुद्दे पर बातचीत की आगे बढ़ाने और तनाव करने की उम्मीद है।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचायें : लक्ष्मण प्रसाद सिंह



मुशिदाबाद में हिंदुओं पर हुए हमले की निवारण करते हुए वहां पर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। इसके बाद धनवार के बाज़ी गाव पहुंच कर एक शादी समारोह में शामिल हुए और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। शादी उठाने की बात कही गई।

राजधानी गिरिडीह (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व राजधानी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने रविवार को धनवार प्रखंड क्षेत्र के गाड़ी गाव पहुंच कर एक शादी समारोह का लक्ष्य रखते हैं। वेस और मोटी के बीच व्यापार, आयात शुल्क और गैर-ट्रैटरिफ़ बाधाओं को गाड़ी गाव पहुंच कर एक शादी समारोह में शामिल हुए और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। शादी उठाने की बात कही गई।

टैरिफ़ विवाद :

यह वात्रा ट्रैप

प्रशासन की टैरिफ़ नीति के कारण बढ़े। ट्रैप

ने 2 अप्रैल, 2025 को भारत पर

26% टैरिफ़ की घोषणा की थी,

जिसे वात्रा में 40 दिनों में लिए

स्थानीय कर दिया गया। वेस की

यात्रा से इस मुद्दे पर बातचीत की आगे बढ़ाने और तनाव करने की उम्मीद है।

उठाने की बात कही गई।

उठाने की बात कही गई।